मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 86, मुंबई, शनिवार, 30 अप्रैल, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान
दैनिक
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

गुटखा माफियाओं पर मुंबई पुलिस की कहर

एक के बाद एक पर की जा रही है बड़ी कार्रवाई

जोगेश्वरी में गुटखा तस्कर के गोदाम पर छापेमारी

1 लाख 39 हजार का माल जब्त

संतोष उमेश अग्रवाल नाम का व्यक्ति गिरफ्तार

मुंबई। दै. मुंबई हलचल लगातार नशे के सौदागर युवा पीढ़ी की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे गुटखा माफियाओं के खिलाफ आवाज उठाती आई है, दै. मुंबई हलचल का एक ही मकशद है जितने भी नशे के सौदागर गुटखा माफिया हैं उन पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाये ताकी हमारे देश की आने वाले भविष्य युवा पीढ़ी हैं उनकी जिंदगियां नशे के दलदल में फंसने बचाया जाये। मुंबई पुलिस अब लगातार एक के बाद एक गुटखा माफियाओं के ठिकानों पर बड़ी कार्रवाई कर रही है। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच यूनिट ९ ने जोगेश्वरी के एक गुटखा गोदाम में छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की है और संतोष उमेश अग्रवाल नाम के व्यक्ति को विभिन्न कंपनियों के प्रतिबंधित पान मसाला, गुटखा और तंबाकू रखने के आरोप में गिरफ्तार किया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मुलुंड में वीडियो पार्लर पर छापेमारी के दौरान एक व्यक्ति की मौत

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। एक अधिकारी ने कहा कि उपनगरीय मुलुंड में गुरुवार को पुलिस द्वारा एक वीडियो पार्लर पर छापेमारी के दौरान 57 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि पीड़ित की पहचान दिलीप रावजी शेजपाल के रूप में हुई है और मुलुंड पुलिस स्टेशन में हिरासत में मौत का मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि अपराध शाखा की समाज सेवा शाखा ने उस पार्लर पर छापा मारा जो कथित तौर पर शाम करीब पांच बजे अवैध रूप से चल रहा था। शेजपाल उन लोगों में शामिल थे जिन्हें अंदर वीडियो गेम खेलते समय हिरासत में लिया गया था।

अचानक मौत का मामला दर्ज, आगे की जांच जारी

(शेष पृष्ठ 3 पर)

गुजरात के पीपावाव पोर्ट पर कंटेनर से 90 किलोग्राम हेरोइन जब्त

तस्करों ने रस्सियों का किया इस्तेमाल

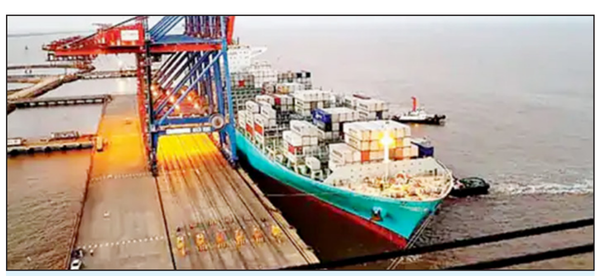

पीपावाव (गुजरात)। शुक्रवार को गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) और डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने एक जॉइंट ऑपरेशन में 90 किलोग्राम हेरोइन जब्त की। इंटरनेशनल मार्केट में इसकी कीमत करीब 450 करोड़ रुपए बताई गई है। ड्रग्स का यह जखीरा अमरेली जिले के पीपावाव पोर्ट पर एक कंटेनर से बरामद किया गया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

पिछले कुछ समय से गुजरात के समुद्री तटों से काफी मात्रा में ड्रग्स की जा चुकी है जब्त

फरवरी में ड्रग्स की 800 किग्रा की खेप की गई थी बरामद

गुजरात में कब-कब बड़ी मात्रा में ड्रग्स जब्त की गई

- जुलाई 2017 में गुजरात के समुद्री किनारे पर एक व्यापारी जहाज से 1500 किलो हेरोइन जब्त की गई थी।
- अगस्त 2018 में जाम सलाया के 2 लोगों को 5 किलो हेरोइन के साथ पकड़ा गया था। जांच में पता चला था कि पाकिस्तान से 100 किलो हेरोइन की तस्करी करके भारत लाई गई थी, बाद में इसे जब्त कर लिया गया था।
- जनवरी 2020 में, एक मछली पकड़ने वाली नाव से 5 पाकिस्तानियों के पास 175 करोड़ रुपए की 35 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई थी।
- अप्रैल 2021 में 150 करोड़ रुपए की 30 किलो हेरोइन के साथ 8 पाकिस्तानियों को अरेस्ट किया गया था।

हमारी बात

वैट पर विरोध

जैसे-जैसे महंगाई तनाव बढ़ाती जा रही है, वैसे-वैसे राजनीतिक बयानबाजी में भी तेजी आ रही है। महंगाई के समय ऐसे विवाद या आरोप-प्रत्यारोप नए नहीं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेट्रोल-डीजल पर कुछ राज्यों को वैट घटाने के लिए कहते हुए इसे प्रार्थना बताया है, हालांकि कोई भी राज्य वैट घटाने को बाध्य नहीं है। लेकिन इसके बावजूद राज्यों से जो आवाजें आ रही हैं, उनको सकारात्मक रूप में ही स्वीकार करना चाहिए। कुछ नेताओं को यह शिकायत है कि प्रधानमंत्री ने कोरोना संबंधी बैठक में वैट की चर्चा क्यों की? हालांकि, यह विषय अलग है कि प्रधानमंत्री को ऐसी बैठकों में एक चिंता से हटकर दूसरी चिंता का जिक्र करना चाहिए या नहीं? बहरहाल, यह लगभग परंपरा ही रही है कि केंद्र सरकार ऐसी सलाह राज्यों को देती है, मानने या न मानने के लिए राज्य स्वतंत्र हैं। वैसे आपत्ति दो राज्यों की ओर से तीखी आई है। पश्चिम बंगाल व महाराष्ट्र की सत्तारूढ़ पार्टियों की राजनीति को समझा जा सकता है। हम एक ऐसे समय में जी रहे हैं, जब नेता राजनीति का कोई भी अवसर हाथ से जाने नहीं देना चाहते। लेकिन किसी को भी निशाने पर ले लेने का यह चलन प्रशंसनीय नहीं है। महाराष्ट्र में पेट्रोल अपेक्षाकृत महंगा है। मुंबई में प्रति लीटर डीजल से 24.38 रुपये केंद्र सरकार को और 22.37 रुपये राज्य के खाते में जा रहे हैं। वसूली का प्रतिशत पेट्रोल पर भी कमोबेश यही है। मतलब यह कि पेट्रोल, डीजल से केंद्र और राज्य, दोनों को लाभ है। दोनों का एक-दूसरे को दोषी ठहराना वाजिब नहीं है और किसी ने किसी को सीधे दोषी ठहराया भी नहीं है। आम लोगों की नजर से देखें, तो भाव कम करने की जिम्मेदारी दोनों पर है। आम लोगों की परवाह सभी सरकारों को करनी चाहिए। केंद्र और राज्य सरकारें जीएसटी के लिए सहमत तो हुईं, लेकिन दोनों ने पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे से बाहर रखा। ऐसे बहुपयोगी उत्पादों को विशेष वर्ग में रखकर भारी टैक्स लगाना कहां तक सही है, इस पर आम लोगों के हित में विचार करना चाहिए। आम लोगों पर टैक्स लगाना बिल्कुल सही है, लेकिन टैक्स तार्किक व न्यायपूर्ण भी महसूस होना चाहिए। पेट्रोल और डीजल को लेकर शिकायतें पुरानी हैं। अब समय आ गया है कि समाधान किया जाए। बेशक, आज की राजनीति से भी समाधान की उम्मीद की जा सकती है। फिर भी राज्य सरकारों को इस बात पर गौर करना चाहिए कि क्या ऐसे राज्य भी हैं, जहां पेट्रोल-डीजल की कीमत कम है? यह तथ्य तो सामने है कि चेन्नई में पेट्रोल 111 रुपये, जयपुर में 118 रुपये, कोलकाता में 115 रुपये और मुंबई में 120 रुपये प्रति लीटर है। ध्यान दीजिए, लखनऊ में पेट्रोल 105 रुपये के करीब है। उत्तर प्रदेश के लोगों की तुलना में महाराष्ट्र के लोग भला क्यों पंद्रह रुपये ज्यादा कीमत चुका रहे हैं? यह भी गौरतलब है कि पिछले साल नवंबर में केंद्र सरकार ने उत्पाद शुल्क में कटौती की थी, लेकिन महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, केरल, झारखंड और तमिलनाडु जैसे राज्यों ने पेट्रोल, डीजल पर वैट में कटौती नहीं की। यह देखना चाहिए कि ये राज्य आखिर अपनी ओर से टैक्स में कटौती क्यों नहीं कर रहे हैं? क्या इन राज्यों की माली हालत ज्यादा खराब है? क्या इन राज्यों को केंद्र से पर्याप्त राजस्व नहीं मिल रहा है? यह केंद्र और राज्यों को मिलकर तय करना चाहिए। एक ही देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में समानता होनी चाहिए। लोग तो यही चाहते हैं।

प्यादा बनना, भंवर में फंसना !

लाइव दुनिया की सुर्खियों पर गौर करें! श्रीलंका में लोग आर्थिकी से बेहाल सड़कों पर। चीन में कोरोना के डर में करोड़ों लोग जानवरों की तरह बाड़ों में बंद! दुनिया को समझ नहीं आ रहा कि भारत में महामारी से सवा पांच लाख लोग मरे या चालीस लाख? यूरोप में यूक्रेन के शरणार्थियों की संख्या हुई पचास लाख पार। सन 2021 की बेमौसम एक्स्ट्रीम आपदाओं से कोई सौ अरब डॉलर का नुकसान। सोचें, इन सभी खबरों में शिकार कौन है? मनुष्य! क्या श्रीलंका में कंगाली लोगों के कारण है? चीन में कोरोना का भूत क्या लोगों से है? भारत में लोगों ने खुद क्या मौत की सच्चाई छुपाई? क्या बेमौसमी आपदाओं की वजह स्थान विशेष में रहने वाले लोग हैं? सवाल है हर खबर में मरा हुआ, मारा हुआ या शिकार हुआ कौन? बेचारे निरीह, बेसुध, पॉवरशून्य लोग! क्या नहीं? यक्ष प्रश्न है पृथ्वी के आठ अरब लोगों में से कितनों के बस में जिंदगी पर उनका अधिकार है? लोगों के बस में याकि कितनों के वैयक्तिक जीवन में सुख, संतोष और निज सुरक्षा है? क्या बहुसंख्यक लोग आश्रित, भाग्य भरोसे में इहलोक के प्लेटफॉर्म पर 84 लाख योनियों में आवाजाही के थर्डक्लास पैसेंजर नहीं हैं?

दूसरी बात यदि लोग समर्थ नहीं हैं, समय और परिवेश की असहायता में जी रहे हैं तो कौन जिम्मेवार? क्या वे खुद या जिन्होंने उनका जिम्मा लिया है या जिन्हें खुद लोगों ने वोट दे कर जिम्मेवारी दी है? तभी परिवेश, हवा-पानी-मौसम के खतरों में जीवन जी रहे आठ अरब लोगों पर यदि संपूर्णता से विचार किया जाए और उन्हें इंडेक्सों, पैरामीटरों की तराजू में जांचे तो क्या प्रमाणित नहीं होगा कि आठ अरब लोगों में बहुसंख्यकों का जीना लावारिस है, उनका बार-बार शिकार होना, मूर्ख बनना और नारकीय जीवन भोगना उनकी अपने हाथों बनाई नियति से है। कहते हैं लोग और नागरिक समझदार हैं। समर्थ हैं। वे वैयक्तिक चेतना के उच्चतम शिखर पर बैठे हैं। वे लाचार नहीं, बल्कि समर्थ हैं। वे असहाय नहीं ताकतवर हैं! हर होमो सेपियन समझता है कि उसने सब अपने से बनाया। व्यक्ति अपने जीवन का खुद मालिक, शिल्पकार, आर्किटेक्ट और ठेकेदार है। वह निज अस्तित्व को लेकर सचेत होता है। समर्थ होता है। कुछ भी हो मनुष्य के वैयक्तिक पुरुषार्थ से मानव सभ्यता बनी है।

ऐसा है तो फिर वह शिकार क्यों होता है? लोग क्यों खैरात में जीते हैं? भारत में सौ करोड़ लोग यदि पांच किलो अनाज के दाने-पानी और दो-चार हजार रुपए की सब्सिडी पर जीते हुए हैं तो यह क्या अबूझता में बेचारगी व नासमझी में जीना नहीं है? एक तरह से प्यादे वाली लाचारगी! एक मायने में मनुष्य अपने आपमें शतरंज है। उसी की बुद्धि से शतरंज का खेल निकला है। भारत के चतुरंग नाम के बुद्धि-शिरोमणि ब्राह्मण ने पांचवीं-छठी सदी में शतरंज बनाया था। जिंदगी के खेल को खेल बनाया और दुनिया को वह भाया। लेकिन कैसा त्रासद सत्य जो मनुष्य स्वंय अनजाने-अनचाहे शतरंज का मोहरा है। अधिकांश मनुष्य प्यादे बन राजा, रानी, वजीर आदि के बूते जी रहे हैं और उनकी हार-जीत के साथ अस्तित्व का संकट बना बैठे है। मनुष्य यांत्रिक प्यादा है। ऐसा पहले नहीं था। व्यवस्थाओं के बनने से पहले नहीं था। तब व्यक्ति पहले वैयक्तिक चेतना की सार्वभौमता-स्वतंत्रता में जीवन का मजा ले रहा था। जिंदगी को जिंदादिली से जी रहा था। लेकिन होमो सेपियंस की ट्रेजेडी है जो उसी की बनाई व्यवस्थाओं के शतरंत में 99 प्रतिशत लोग प्यादे बने हुए हैं। वे व्यवस्थापकों के शिकार हैं। यह कैच-22 जैसा विरोधाभासी लोचा है। मनुष्य सब कुछ होते हुए भी कुछ नहीं है! वह पशु नहीं होते हुए भी एनिमल फार्म में जीता है। वह शतरंजी चालों का शिकार है। मोहरा बना हुआ है। वह अब गेंद है, खिलाड़ी नहीं। वह शिकार है शिकारी नहीं। वह होनी, नियति, नियंत्रणों में काम करता हुआ है न कि स्वतंत्र, स्वयंभू कर्मयोगी! तभी दो तरह के जीवन में मनुष्य बंटे हुए। शिकारी और शिकार। मालिक और गुलाम का। तंत्र के तांत्रिक और उसके गण। ऐसे में भीड़ पर सोचें। करें तो क्या करें? वह श्रीलंका की सड़कों पर हाय, हाय करते हुए है। भारत में लावारिस मरते हुए है। चीन में सिसकते-सुबकते हुए है। यूक्रेन में मरते और भागते हुए है। मनुष्यकृत पिंजरों में जीते हुए और जलवायु कहर में झुलसते, डूबते, जहरीली सांस लेते हुए। आखिर लोग करें तो क्या करें? उनके बस में क्या है! ऐसा कैसे हुआ? इसका जिम्मेवार कारण स्वयं मनुष्य है। वह खुद ही अपनी बनाई शतरंज में अपने हाथों उसका प्यादा बना है। दरअसल दार्शनिकों, ज्ञानियों, वैज्ञानिकों, बुद्धिमानों ने वैयक्तिक चेतना की सिद्धि में मनुष्य जिंदगी का खेला पहले सोचा। उसके इलहाम में मनुष्य की कहानी बनाई। मनुष्य जीवन का खेला बनाया। खेल के नियम-कायदे बनाए। अपने हाथों राजा, रानी, वजीर, ऊंट, घोड़े, हाथी बनाए और प्यादों की पैदल सेना बनाई। समाज, धर्म और राजनीति के नियम-कायदों में मनुष्य को चारों और से बांधा गया। एनिमल फार्म की भेड़-बकरी, शतरंज में प्यादों या सुपर पालनहार संरचना उर्फ व्यवस्था की पैदल सेना में कुल मनुष्य स्वभाव गुलाम का बना है। मनुष्यता का टेकओवर हुआ है। वह प्रजा हो गया। उसने अपना सर्वस्व राजा-रानी, प्रधानमंत्री-राष्ट्रपतियों- शक्तिमानों की सर्वज्ञता के सुपुर्द कर दिया। फिर दोहरा रहा हूं कि होमो सेपियंस के सफर का आरंभ वैयक्तिक दिमाग, बल, कदमों की स्वतंत्र और मनमर्जी फितरत से था। ज्ञात इतिहास में भी प्रारंभ ऋषि-मुनियों की वैयक्तिक तपस्या से था। उनका चिंतन प्रकृति के रहस्यों को समझने का था। दार्शनिक सुकरात हों अरस्तू या उनके शिष्य, सभी निज वैयक्तिक साधना में मनुष्य पर विचार करते हुए थे। उसी से व्यवस्था व धर्म बनने शुरू हुए। फिर तर्क-विज्ञान से विकास शुरू हुआ तो गैलेलियो ने पृथ्वी को गोलाकार घोषित किया। आइंस्टीन ने भौतिकी से ब्रह्माण्ड के सत्य उद्घाटित किए। यह सब निज खोज से था। उस नाते पिछले छह हजार सालों का पूरा विकास बुद्धि के सिर्फ सौ-दो सौ लोगों के निज योगदान की बदौलत है। राजा-रानी-वजीर, राष्ट्र, नस्ल-भीड़ का कोई मतलब नहीं। दूसरे शब्दों में ज्ञान गंगा की गंगोत्री के भागीरथ का समुच्चय सौ-दो सौ तपस्वियों, ज्ञानी-विज्ञानी कर्मयोगियों और दार्शनिकों-चिंतकों का है। इनके कारण जीने की पद्धतियां, विचारधारा बनी। सब भीड़ में से वैयक्तिक चेतना के सिद्ध व्यक्तियों से था। पृथ्वी के अलग-अलग इलाकों में बड़े-बुजुर्ग (चिम्पांजी समाज की तरह) ने लीडरशीप दे कर उनका सिस्टम बनाया। नतीजतन समाज, नस्ल की ढेरों मानव कहानियां बनीं। कहानियों से जन्म से ले कर मरण तक सब कुछ पूर्व निर्धारित हुआ। कहानियां भाग्य, नियति और पैगंबर के वचनों से कलमबद्ध है। होमो सेपियंस के घूमंतू स्वतंत्र अस्तित्व का प्यादा बनना मानव इतिहास का सर्वाधिक त्रासद पहलू है। लोग भीड़ हो गए। भीड़ से अहम के भस्मासुर पैदा हुए। चिम्पांजी के डीएनए के माफिक मनुष्य बाड़ों के स्वामित्वधारी मुखियाओं की कमान बनी। इससे भीड़ का जीवन और बंधा हो गया। इस बंधे मनुष्य सफर में भीड़ के सरदारों से राजा-रानी से होमो सेपियंस का भला कम और नुकसान अधिक हुआ। बुद्धि, ज्ञान-विज्ञान-सत्य के न तो पंख बने और न भीड़ में समझदारी आई। उलटे भीड़ के कारण लड़ाइयां अधिक हुईं। तो भीड़ वाले मनुष्यों की पैदल सेना का खास मतलब नहीं और जो भी हुआ है वे वैयक्तिक बुद्धि के पुरुषार्थ से।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक- **दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,
एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

राजनीतिक षड्यंत्र के चलते मुंब्रा शहर का माहौल खराब होने से बचाने के लिए उलमाओं द्वारा की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गुड़ी पड़वा के दिन मनसे सुप्रीमो राज ठाकरे द्वारा लाउडस्पीकर और अजान को लेकर जो विवादित बयान उनके द्वारा दिया गया था जिसके कारण देशभर कई राज्यों में दंगे फसाद हो गए फिलहाल यह मामला शांत होने का नाम नहीं ले रहा है और दिन में दिन तूल पकड़ता हुआ दिखाई दे रहा है गौरतलब बात यह है महाराष्ट्र राज्य के थाना शहर में जो भड़काऊ भाषण मनसे सुप्रीमो राज ठाकरे द्वारा दिया गया की 3 मई तक अगर मस्जिदों पर से लाउडस्पीकर नहीं उतारे गए तो 4 तारीख को मनसे पार्टी मस्जिदों से लाउडस्पीकर खुद उतारेगी और मस्जिदों के सामने हनुमान चालीसा दुगनी लाउडस्पीकर की आवाज में पड़ेगी उनके द्वारा दिए गए भड़काऊ भाषण से कहीं ना कहीं मुसलमानों के भावनाओं को ठेस पहुंचने का काम हुआ है हालांकि राज ठाकरे द्वारा यह कहा जा रहा है यह सुप्रीम कोर्ट का आदेश है और महाराष्ट्र राज्य सरकार को अमल बजाओनी करनी चाहिए लेकिन उनके द्वारा दिए गए विवादित बयान से देश का माहौल खराब हो गया है ऐसे में मुंब्रा शहर में मनसे सुप्रीमो राज

ठाकरे द्वारा चलाए गए कठोर बाण का पलटवार पीएफआई संगठन के अध्यक्ष मतीन शेखानी द्वारा देने पर मनसे के अविनाश जाधव बुरी तरह से आहत होते हुए नजर आए फिर उन्होंने अपनी राजनीति गरमाने के लिए एक फरमान जारी कर दिया कि 4 मई को कौसा की जामा मस्जिद के सामने वह हनुमान चालीसा पढ़ेंगे उस की परवानगी के लिए मुंब्रा पुलिस स्टेशन में पत्र देकर अनुमति मांगी है जैसी ही अविनाश जाधव का बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया तब मुंब्रा शहर का माहौल खराब होने से बचाने के लिए शहर के तमाम उलेमाओं ने 28 अप्रैल गुरुवार सालवा होटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस ली इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौलाना वाहब कासमी, मौलाना अब्दुल सल्फी, मौलाना रफीक अजमल, मौलाना अजहर, और उनके साथ मौजूद शहर भर के तमाम उलेमाओं ने कहा हमारा मुंब्रा शहर अमन और शांति का प्रतीक है आज तक कभी मुंब्रा शहर में दंगा फसाद जैसी चीज देखने को नहीं मिली उन्होंने बताया कुछ लोगों की वजह से दिया गया बयान से हम मुंब्रा शहर का माहौल कदापि खराब होने नहीं देंगे और उन्होंने कहा अगर किसी के दिए गए बयानों से अगर कोई आहत हुआ है तो उन्होंने उस बयान की कड़ी निंदा की है और कहा हमको देश की कानून सुप्रीम कोर्ट पर पूरा भरोसा है विश्वास है जो सुप्रीम कोर्ट का कानून है हम लोग उसको जरूर मानेंगे सुप्रीम कोर्ट के कानून का कदापि उल्लंघन नहीं करेंगे सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह कहा गया है कि धीमी आवाज में लाउडस्पीकर बजाए जाएं जितनी आवाज की सुप्रीम कोर्ट से अनुमति मिली है हम उतनी आवाज मै अजान देंगे हम किसी तरह के कानून को अपने हाथ में नहीं लेंगे और अगर 4 मई को मनसे के अविनाश जाधव मुंब्रा शहर की जामा मस्जिद के सामने हनुमान चालीसा पढ़ेंगे तो वह काम कानून व्यवस्था का है हमें कानून पर पूरा विश्वास है और तमाम मुंब्रा शहर वासियों से अपील की है किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान ना दें और अपने संयम को बरकरार रखे और शहर का माहौल अच्छा बनाए रखें यह निवेदन मुंब्रा शहर वासियों से किया गया अब देखना यह है पीएफआई संगठन द्वारा दिए गए जिस विवादित बयान से मनसे के अविनाश जाधव को ठेस पहुंची है शहर भर के तमाम उलेमाओं ने उस बयान की कड़ी निंदा की है तो क्या मनसे के अविनाश जाधव अपना कदम पीछे हटा लेंगे यह तो समय ही बताएगा यह राजनीतिक षड्यंत्र देश को किस ओर ले जाता है यह देखने वाली बात होगी।

भीषण गर्मी के बीच मुंबईकरों को बड़ी राहत

एसी लोकल ट्रेन के किराए में 50% की कमी, 5 किलोमीटर के लिए देने होगा सिर्फ 30 रुपए

मुंबई। भीषण गर्मी के बीच मुंबईकरों को एक बड़ी राहत देते हुए एसी लोकल ट्रेन की टिकटों की दरों में 50 फीसदी की कमी का ऐलान शुक्रवार को किया गया है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई एसी लोकल ट्रेन की टिकट दरों में कटौती करने के लिए केंद्र सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय रेलवे राज्य मंत्री रावसाहेब दानवे का आभार जताया है। केंद्र के इस फैसले पर देवेंद्र फडणवीस ने कहा, मुंबईकरों की ओर से यह लगातार मांग की जा रही थी कि एसी

लोकल तो शुरू की गई है, लेकिन टिकटें काफी महंगी हैं। इस वजह से इसमें लोग सफर नहीं करते हैं। आज टिकटों की दर 50 फीसदी तक कम करने का एक बढ़िया फैसला किया गया है। मुझे विश्वास है कि धीरे-धीरे एसी लोकल ट्रेनों में पैसेंजरों की तादाद और बढ़ेगी, मुंबईकरों को भी बेहतर सफर की सुविधा जो मिली है, उसका वे भरपूर लाभ उठा पाएंगे। केंद्रीय रेलवे राज्यमंत्री रावसाहेब दानवे ने बताया कि टिकट की दरों में कटौती को भारतीय रेलवे बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। पांच किलोमीटर तक के सफर का किराया जो पहले 65 रुपए लगता था वो अब सिर्फ 30 रुपए लगेगा। टिकट की दर पहले की तरह ही किलोमीटर के हिसाब से तय होगी।

यस बैंक–डीएचएफएल मामला: संजय छाबड़िया को छह मई तक सीबीआई हिरासत में भेजा

मुंबई। मुंबई की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को यस बैंक के संस्थापक राणा कपूर और दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (डीएचएफएल) के खिलाफ कथित भ्रष्टाचार के एक मामले में महानगर के रियल स्टेट कारोबारी संजय छाबड़िया को छह मई तक केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की हिरासत में भेज दिया। सीबीआई ने बृहस्पतिवार को रेडियस डेवलपर्स के छाबड़िया को गिरफ्तार किया था। केंद्रीय जांच एजेंसी ने छाबड़िया को विशेष न्यायाधीश एस एच ग्वालानी के समक्ष पेश किया और मामले की आगे की जांच के लिए उनकी 14 दिन की हिरासत मांगी। सीबीआई ने कहा कि उनकी हिरासत की आवश्यकता है क्योंकि अपराध गंभीर है और जांच एक महत्वपूर्ण चरण में है। मामले की जांच के दौरान छाबड़िया की आपराधिक संलिप्तता मामले में आरोपी के रूप में सामने आयी थी। छाबड़िया ने डीएचएफएल के कपिल वधावन और राणा कपूर द्वारा स्थापित यस बैंक द्वारा उनकी कंपनियों को मंजूर किए गए 3,094 करोड़ रुपये के ऋण में कथित तौर पर हेराफेरी की। इस मामले में कपूर और वधावन दोनों आरोपी हैं। दोनों फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। सीबीआई ने दावा किया कि उक्त ऋणों में से महत्वपूर्ण राशि की हेराफेरी की गई है और धन के उपयोग के संबंध में आरोपी से पूछताछ करना आवश्यक है। बयान में कहा गया है, कुल 3,094 करोड़ रुपये के उपरोक्त ऋण के उपयोग का पता लगाने, उक्त लेनदेन और संबंधित मुद्दों से संबंधित भौतिक साक्ष्य बरामद करने के उद्देश्य से छाबड़िया से हिरासत में पूछताछ आवश्यक है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

गुटखा माफियाओं पर मुंबई पुलिस की कहर

पुलिस ने कहा कि गश्त के दौरान, उन्हें एक मुखबिर से सूचना मिली कि जोगेश्वरी बेहराम बाग शक्तिनगर मेहबूब चॉल रूम नंबर 5 में एक गुटखा गोदाम संचालित किया जा रहा है, और बाद में यूनिट 9 के अधिकारियों द्वारा छापेमारी की गई, जिसमें उन्होंने संतोष उमेश अग्रवाल को इस गुटखे की गोदाम को संभालते हुए पाया। जिसके बाद संतोष उमेश अग्रवाल पुलिस ने अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया और प्रतिबंधित गुटखों के साथ-साथ नगदी को जब्त कर लिया, जिसकी 1,39,774 रुपये है। आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2009 की धाराओं के तहत ओशिवरा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है, आगे की जांच की जा रही है। संतोष मोदी नाम के एक व्यक्ति पर भी एफआईआर दर्ज की है। इस कार्रवाई के बाद गुटका व्यापारियों में हड़कंप मच गया।

गुजरात के पीपावाव पोर्ट पर कंटेनर से 90 किलोग्राम हेरोइन जब्त

राज्य के डीजीपी के मुताबिक, यह कंटेनर ईरान से आया था। एजेंसियों को धोखा देने के लिए तस्करों ने मोटी रस्सियों में हेरोइन को लिक्विड फॉर्म में करके छिपाया था। यह लिक्विड हेरोइन बाद में सूख गई। बाद में इसे पैक करके एक्सपोर्ट के लिए भेजा गया। गुजरात के डीजीपी आशीष भाटिया ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा- इस कंटेनर में रस्सियों के जरिए ईरान से हेरोइन की नए तरीके से तस्करी की गई थी। यह कंटेनर पांच महीने पहले लाया गया था। शक होने पर हमने जांच की। इस दौरान पाया कि 395 किलोग्राम रस्सी की गांठों में करीब 90 किलोग्राम हेरोइन छिपाई गई है। शुरूआत में पुलिस को रस्सियों के होने की वजह से शक नहीं हुआ था। बीते सोमवार को कच्छ के पास एक पाकिस्तानी नाव को 9 लोगों के साथ करीब 280 करोड़ रुपए कीमत की हेरोइन के साथ पकड़ा गया था। 'अल हज' नाम की यह नाव कराची से होते हुए गुजरात तट पर पहुंची थी। लेकिन, इसी दौरान मुस्तैद भारतीय कोस्ट गार्ड्स ने इन्हें दबोच लिया था। अब तक भारत में कश्मीर और पंजाब की सीमा से ड्रग्स की तस्करी होती थी। लेकिन, इन दोनों सीमाओं पर सख्त चौकसी के चलते ड्रग्स माफियाओं की नजर गुजरात की समुद्री सीमा पर है। इसी के चलते पिछले कुछ समय से गुजरात के समुद्री तटों से काफी मात्रा में ड्रग्स जब्त की जा चुकी है।

मुलुंड में वीडियो पार्लर पर छापेमारी के दौरान एक व्यक्ति की मौत

पुलिस अधिकारी ने कहा कि वह अस्वस्थ महसूस करने लगे और उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन प्रवेश से पहले उन्हें मृत घोषित कर दिया गया, आगे की जांच जारी थी। इस दौरान पुलिस पर दिलीप शेजपाल की पिटाई का आरोप लगा। हालांकि पुलिस ने आरोपों से इनकार किया है। पुलिस ने दावा किया है कि एक वीडियो पार्लर में छापेमारी के दौरान, एक 57 वर्षीय ग्राहक को चिकित्सा समस्याओं का सामना करना पड़ा और हमें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। कोई हमला नहीं हुआ। यहां तक कि परिवार ने भी ऐसा आरोप नहीं लगाया। सर्कल 7 के पुलिस उपायुक्त प्रशांत कदम ने कहा कि मुलुंड पुलिस ने मामले में अचानक मौत का मामला दर्ज किया है और आगे की जांच जारी है।

सहजयोग ध्यान से बेहतर होता है मानसिक स्वास्थ्य

यदि आप स्वयम से प्रेम करते हैं तो ध्यान द्वारा अपना अन्तरावलोकन अवश्य करें: परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी

जन सामान्य के लिए सहजयोग संस्थान निःशुल्क ऑनलाइन सामूहिक ध्यान प्रसारित कर रहा है। ऑनलाइन ध्यान से जुड़ने के लिये सहज योग की नेशनल वेबसाइट www.sahajayoga.org.in एवं यू ट्यूब पर भी लिंक से सीधे जुड़ा जा सकता है। उल्लेखनीय है कि मानसिक स्वास्थ्य शब्द को हम मानसिक रोग व पागलपन से जोड़ कर देखते हैं जबकि मस्तिष्क के क्षणिक आवेग, क्रोध, ईर्ष्या, तनाव एवं भावनात्मक असंतुलन को ठीक करना ही मानसिक स्वास्थ्य कहलाता है। ध्यान से प्रतिक्रियाएँ कम होती है निर्विचारिता बढ़ती हैं चित्त की संतुष्टि और प्रसन्नता भी सकारात्मक परिणाम को तय करती है। वास्तव में संसार को अधिकांश मनुष्यों ने तीन स्तरों पर अनुभव किया है जिसे हम शरीर, मन, बुद्धि, कहते हैं, यही तीनों त्रिआयाम कहलाते हैं परंतु कुछ प्रज्ञावान पुरुषों ने इसे आत्मा के स्तर पर भी अनुभव किया और पाया कि चौथा आयाम पूर्व में उल्लखित तीनों आयामों से निराला है इसी का अभ्यास कराता है सहजयोग। मानसिक स्वास्थ्य से ही आध्यात्म में प्रगति संभव है।

भरतपुर में शिक्षाविद डॉ. सौदान सिंह की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भरतपुर में शिक्षाविद् डॉ. सौदान सिंह की प्रथम पुण्यतिथि पर बुधवार को ग्राम पंचायत मुरवारा एवं गाँव गुण्डवा द्वारा बाबा लक्ष्मण दास महाविद्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर का तकनीकी शिक्षा एवं आयुर्वेद राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने शुभारम्भ किया। इस शिविर में लगभग 61 यूनिट का रक्तदान किया गया। इस अवसर पर डॉ. गर्ग ने शिक्षाविद् डॉ. सौदान सिंह को अपनी टीम का कर्मठ एवं निष्ठावान कार्यकर्ता बताते हुए कहा कि उन्होंने समाजसेवा एवं शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने स्व. सौदान सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कहा कि उनमें टीम भावना के साथ कार्य करने की अद्भुत क्षमता थी, इसी कारण वह समाज के चहेते बन गए! उन्होंने रक्तदान के कार्य को सबसे बडा पुण्य का कार्य बताते हुए कहा कि इस कार्य में पात्र युवाओं को आगे आकर रक्तदान करना चाहिये। कार्यक्रम में मुरवारा के सरपंच रवि, शुभम फौजदार, सेवर

प्रधान शकुन्तला सतीश सोगरवाल, उपप्रधान ओमप्रकाश, राधेश्याम मडरपुर, मिलन अग्रवाल, अमृत सिंह, राहुल, अनुज, प्रतिभा, प्रीति, वीरीसिंह सैनी, रजत आर्य, बबलू खैमरा, महावीर गुर्जर, अभिषेक जैन, प्रेमसिंह बघेल, दिनेश, तरूण, कालीचरण, बन्टी, बबलू , राहुल, सहित अनेक कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे। सुभाष गर्ग ने कहा कि रक्तदान से व्यक्ति में किसी प्रकार की कोई कमजोरी या कमी नहीं आती है, बल्कि रक्तदान सदा ही रक्तदाता के लिए भी लाभप्रद होता है क्योंकि रक्त दान करने के पश्चात व्यक्ति के शरीर में नया रक्त बनता है, जिससे बहुत सी बीमारियों से बचा जा सकता है। रक्त की आपूर्ति के लिए रक्तदान शिविर समय-समय पर लगते रहने चाहिए, जिससे किसी भी आपातकालीन स्थिति में रक्त का प्रयोग मरीजों के लिए किया जा सके । बेटी रक्षा दल प्रदेशाध्यक्ष मिलन अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान महादान है, हर स्वस्थ व्यक्ति साल में दो बार अवश्य खून दान करें। ऐसा करने से जरूरतमंद को नया जीवन मिलता है! उक्त जानकारी मिलन अग्रवाल ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

चीन में कोरोना : शंघाई में मचा हाहाकार, एक माह के सख्त लॉकडाउन से परेशान लोगों का पलायन शुरू

संवाददाता

बीजिंग/शंघाई। चीन के शंघाई शहर में कोरोना के नए मामलों के चलते हाहाकार मचा हुआ है। सरकार ने संक्रमण रोकने के लिए करीब एक माह से लॉकडाउन का विकल्प अपनाया है लेकिन अब लोग इस शहर से पलायन के लिए मजबूर हो रहे हैं। स्थानीय पैकर्स और मूवर्स के साथ ही कुछ कानूनी फर्मों ने इस पलायन की पुष्टि की है। इस बीच, शंघाई में पिछले एक दिन में संक्रमण के 9,545 स्थानीय मामले सामने

आए। अंतरराष्ट्रीय मूवर्स शंघाई (एमएंडटी) के संस्थापक माइकल फाउंग ने बताया कि हमें करीब 30 से 40 ऑर्डर हर माह मिलते थे लेकिन इस माह ऐसे ऑर्डरों में काफी इजाफा हुआ है। शहर के नागरिक सोशल मीडिया पर सलाह ले रहे हैं कि वे शंघाई छोड़ने के लिए क्या उपाय कर सकते हैं। बता दें कि देश में हालात अब भी काबू में नहीं हैं। चीन की शून्य कोविड नीति के कारण लॉकडाउन या सख्ती के कारण लोग और भी परेशान हैं।

सख्त प्रतिबंधों के चलते भूखे मर रहे लोग: चीन में प्रतिबंध इतने सख्त हैं कि शंघाई में लोग भूख से मर रहे हैं। कई हफ्तों से अपने घरों में कैद लोगों के पास अब खाने-पीने का सामान खत्म हो गया है। लोग अपनी खिड़कियों से झांकते हुए नारे लगाकर सख्त नीतियों का विरोध कर रहे हैं। हालात इस कदर खराब हो चुके हैं कि लोग खाने के लिए जेल जाने को भी तैयार हैं। चीन की आर्थिक राजधानी शंघाई में 1 मार्च से लेकर अब तक कम से कम 5 लाख मामले दर्ज किए गए हैं।

देश में जीवित बड़ों का सम्मान करना ही पूजा हैं: आचार्य हरिओम शास्त्री

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'वैदिक पूजा पद्धति' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 390 वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य हरि ओ३म शास्त्री ने कहा कि पूजा नाम सत्कारः अर्थात पूजा का अर्थ सत्कार या सम्मान करना होता है। चेतन का यथायोग्य सत्कार या सम्मान और जड़/अचेतन वस्तु का यथायोग्य व्यवहार करना/लेना ही उनकी पूजा हैं। जीवित माता- पिता, दादा - दादी, चाचा -चाची, नाना-नानी और गुरुजनों का हृदय से सत्कार/सम्मान करना चाहिए। यह प्रतिदिन करने योग्य पंच महायज्ञों में ब्रह्मयज्ञ, पितृयज्ञ, अतिथियज्ञ और बलिवैश्वदेवयज्ञ के रूप में हैं। साथ ही पृथ्वी के सभी वृक्षों, वनस्पतियों सहित अन्य चारों महाभूतों को यज्ञ द्वारा शुद्ध करके उनसे यथायोग्य व्यवहार/लाभ लेना ही उनकी पूजा हैं! भारत के पहले अन्तरिक्ष यात्री विंग कमांडर राकेश शर्मा ने अपने दादा जी पं.लोकनाथ तर्क वाचस्पति के प्रतिदिन के आशीर्वादों कि पुत्र! तुम इतिहास में अमर हो जाओ के कारण अपने जीवन के परमलक्ष्य को प्राप्त कर लिया था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि माता पिता व गुरुजनों का आज्ञापालन ही सर्वोत्तम पूजा है। मुख्य अतिथि एडवोकेट सुरेन्द्र कोछड़ व अध्यक्ष श्रेष्ठा शर्मा (पूर्व शिक्षा अधिकारी डी ए वी) ने भी कहा कि वैदिक पूजा पद्धति में यज्ञ सर्वश्रेष्ठ है अतः यज्ञ करना चाहिए। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि होता हैं सारे विश्व का कल्याण यज्ञ से। गायक रविन्द्र गुप्ता, सुनीता अरोड़ा, रचना वर्मा, विजय खुल्लर, कमला हंस, जनक अरोड़ा, प्रतिभा कटारिया, रजनी चुघ, उमा मिगलानी, आशा आर्य, सुमन गुप्ता, सुदर्शन चौधरी, कुसुम भंडारी आदि के मधुर भजन हुए। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

ले. जनरल बी एस राजू होंगे अगले थलसेना उप प्रमुख

नई दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल बी एस राजू को थलसेना का नया उप प्रमुख नियुक्त किया गया है। सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने लेफ्टिनेंट जनरल बीएस राजू को उप सेना प्रमुख के रूप में नियुक्त किए जाने पर बधाई दी है। लेफ्टिनेंट जनरल बीएस राजू 1 मई 2022 को पद ग्रहण करेंगे। ले.जनरल राजू वर्तमान में डीजी मिलिट्री ऑपरेशंस की कमान संभाल रहे हैं। ले. जनरल राजू सेना कमांडर नहीं होने के बावजूद वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ की जिम्मेदारी संभालने

जा रहे हैं। इससे पहले उन्होंने श्रीनगर स्थित 15 कोर का नेतृत्व किया था। ले. जनरल बीएस राजू को 15 दिसंबर 1984 को जाट रेजिमेंट में कमीशन किया गया था। उनका करिया 38 साल का रहा है, जहां वह सेना मुख्यालय में कई महत्वपूर्ण रेजिमेंट, स्टाफ और निदेर्शात्मक नियुक्तियों का हिस्सा रहे। फिलहाल वह डायरेक्टर जनरल मिलिट्री ऑपरेशंस का पद संभाल रहे हैं। कश्मीर में अपनी तैनाती के दौरान उन्होंने 'मां बुला रही है' मुहिम में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने आतंकियों से मुठभेड़ वाली जगह पर जाकर उन्हें सरेंडर करने का मौका दिया था। इसका मकसद आतंकियों को मुख्यधारा में शामिल करना था।

आर्थिक हालात: आरबीआई की रिपोर्ट

कोविड- 19 के नुकसान से उबरने में अर्थव्यवस्था को लग सकते हैं 12 साल

नई दिल्ली। शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था को कोविड-19 के नुकसान से उबरने में 12 साल से अधिक समय लग सकता है। 'वर्ष 2021-22 के लिए मुद्रा और वित्त' पर अपनी रिपोर्ट में आरबीआई ने कहा कि महामारी से हुए संरचनात्मक बदलाव संभावित रूप से मध्यम अवधि में विकास की दिशा को बदल सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 महामारी से भारतीय अर्थव्यवस्था 12 सालों में उबर जाएगी। केंद्रीय बैंक का कहना है कि पूंजीगत खर्च पर सरकार का जोर, डिजिटलीकरण और ई-कॉमर्स, स्टार्टअप, अक्षय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में नए निवेश के बढ़ते अवसरों को देखते हुए भारत आर्थिक विकास की पटरी पर धीरे-धीरे लौट सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020-21 के लिए (-) 6.6 प्रतिशत की वास्तविक विकास दर, 2021-22 के लिए 8.9 प्रतिशत और 2022-23 के लिए 7.2 प्रतिशत की वृद्धि दर और उससे आगे 7.5 प्रतिशत की वृद्धि दर को देखते हुए उम्मीद है कि भारत साल 2034-35 तक कोविड 19 से हुए नुकसान से उबरेगा। 2020-21, 2021-22 और 2022-23 के लिए अलग-अलग वर्षों के लिए उत्पादन हानि क्रमशः 19.1 लाख करोड़ रुपये, 17.1 लाख करोड़ रुपये और 16.4 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को वर्ष 2021-22 के लिए मुद्रा और वित्त पर रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट का विषय 'रिवाइव और रिकंस्ट्रक्ट' है, जो कोविड से मजबूती से उबरने और मध्यम अवधि में वृद्धि को बढ़ाने के संदर्भ में है। रिपोर्ट में प्रस्तावित सुधारों का खाका आर्थिक प्रगति के सात पहियों के इर्द-गिर्द घूमता है। सकल आपूर्ति, संस्थान, बिचौलियों और बाजारों, व्यापक आर्थिक स्थिरता और नीति समन्वय, उत्पादकता और तकनीकी प्रगति, संरचनात्मक परिवर्तन और स्थिरता।

16 राज्यों में 10 घंटे बिजली कटौती

सरकार बोली–देश में बिजली की डिमांड ऑल टाइम हाई

कोल सप्लाई बढ़ाने के लिए 657 ट्रेन ट्रिप रद्द

नई दिल्ली। भीषण गर्मी के चलते देशभर में बिजली की मांग बढ़ती जा रही है। ऐसे में देश के एक चौथाई पावर प्लांट बंद हैं। नतीजा, 16 राज्यों में 10 घंटे तक के बिजली कटौती शुरू हो गई है। सरकारी रिकॉर्ड के मुताबिक, देशभर में 10 हजार मेगावॉट, यानी 15 करोड़ यूनिट की कटौती हो रही है, लेकिन बिजली की कमी वास्तव में कहीं ज्यादा है। केंद्र सरकार ने कहा है कि देश में बिजली की डिमांड 'ऑल टाइम हाई' है। शुक्रवार को बिजली की मांग दोपहर दो बजकर 50 मिनट पर 2 लाख 7 हजार 111 मेगावाट को छू गई। यह अब तक का सबसे उच्च स्तर है। इस बीच रेल मंत्रालय ने

बड़ा कदम उठाया है। रेलवे ने पावर प्लांट्स तक कोयले की तेजी से सप्लाई के लिए कुल 657 ट्रेन ट्रिप अनिश्चित काल के लिए रद्द कर दिया है, ताकि कोयला ले जा रही मालगाड़ियां समय पर निर्धारित स्टेशनों पर पहुंच सकें। केंद्रीय कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि ताप विद्युत संयंत्रों के पास 21.5 मिलियन टन कोयले का भंडार है। लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है, हम स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। मैं विश्वास दिलाता हूं। देश भर में हमारे पास जो भी 7-10 दिन का स्टॉक बचा है, उसकी रोजाना भरपाई की जा रही है। भारतीय रेलवे के कार्यकारी निदेशक गौरव कृष्ण बंसल के मुताबिक पैसेंजर ट्रेनों को रद्द करने का फैसला अस्थायी है। स्थिति सामान्य होते ही सेवाएं वापस शुरू कर दी जाएंगी। इस फैसले के बाद रेलवे अपने बेड़े में एक लाख और वैगन जोड़ने जा रहा है। इसके अलावा रेलवे माल को तेजी से पहुंचाने के लिए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर्स भी बना रहा है।

5 साल में पहली बार बढ़ाई एवरेज डेली लोडिंग: अस्थायी रूप से रद्द की गई लंबी दूरी की मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के 657 फेरे शामिल हैं। इसके साथ ही रेलवे ने कोल रैक्स की एवरेज डेली लोडिंग भी 400 से ज्यादा कर दी है। यह आंकड़ा पिछले 5 साल में सबसे ज्यादा है। रेलवे प्रति दिन 415 कोल रैक्स की ढुलाई कर रहा है, ताकि कोयले की मौजूदा मांग को पूरा किया जा सके। इनमें से हर एक कोल रैक में 3500 टन कोयला होता है।

राजधानी में भी परेशानी: वहीं, बिजली कटौती का असर अब राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी होने लगा है। कोयले की कमी के गहराते संकट के बीच दिल्ली सरकार ने मेट्रो और अस्पतालों समेत कई आवश्यक संस्थानों को 24 घंटे बिजली आपूर्ति में असमर्थता जताई है। दिल्ली के बिजली मंत्री सत्येंद्र जैन ने स्थिति का आकलन करने के लिए गुरुवार को एक आपातकालीन बैठक की। साथ ही केंद्र को पत्र लिखा और अनुरोध किया कि वह राष्ट्रीय राजधानी को बिजली की आपूर्ति करने वाले बिजली संयंत्रों को पर्याप्त कोयले की उपलब्धता सुनिश्चित करें। जैन ने बताया कि राजधानी के प्लांट्स में एक दिन का ही स्टॉक बचा हुआ है। दादरी–2 और ऊंचाहार बिजली स्टेशनों से बिजली आपूर्ति बाधित हो सकती है। वर्तमान में दिल्ली में बिजली की 25–30% मांग इन बिजली स्टेशनों से ही पूरी की जा रही है। इन स्टेशनों में पिछले कुछ दिनों से कोयले की कमी है। ऐसे में समस्या कभी भी गहरा सकती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कानपुर के इंडस्ट्रियल एरिया में गांजा तस्कर गिरोह का भंडाफोड़, 50 किलो बरामद, दो गिरफ्तार

पकड़े गए गांजा तस्कर मध्य प्रदेश के निवासी

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां के पनकी थाना क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है, जिसमें इंडस्ट्रियल एरिया चौकी क्षेत्र अव्वल चल रहा है। इसी क्रम में इंडस्ट्रियल एरिया चौकी पुलिस को गांजा तस्करों के एक बड़े गिरोह का भी भंडाफोड़ करने में सफलता मिली है। उसके पास से लगभग पांच लाखे रुपए कीमत 50 किलो गांजा भी बरामद किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक पकड़े गये लोडर समेत पकड़े दोनों शातिर तस्कर अपने माल को बेंचने के इरादे से कानपुर देहात की ओर जा रहे थे। तभी मुखबिर के जरिये इसकी सूचना पुलिस को मिल गई। अवगत कराते चलें कि स्वाट टीम के साथ मिलकर दोनों शातिर तस्करों को लगभग पांच लाख कीमत के 50 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार करने में सफल रहने वाले इंडस्ट्री एरिया की चौकी प्रभारी सतीश यादव सभी संगीन घटनाओं

का खुलासा करते हुए इसके पहले भी कई शातिर अपराधियों को जेल की हवा खिला चुके है, पीड़ितों की तत्काल सहायता और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के मामले में भी कठोर परिश्रम वाले तेजतर्रार और व्यवहार कुशल इंस्पेक्टर सतीश यादव का नाम अक्सर चर्चा में रहता है। उन्होंने यह सफलता दरोगा शैलेंद्र गिरी और स्वाट के प्रभारी विजय दर्शन शर्मा के साथ मिलकर प्राप्त की। अपने कर्तव्य का पालन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करने के चक्कर में अब तक की नौकरी में अनेक खट्टे मीठे अनुभव से भी गुजर चुके और इसी वजह से अक्सर विषम परिस्थितियों का भी सामना करने वाले चौकी प्रभारी सतीश यादव ने बताया कि पकड़ा गया गांजा तस्कर शेरु मूल रूप से महोबा जिले का रहने वाला है और आजकल मध्य प्रदेश के ओरछा थाना क्षेत्र में रह रहा था। उसका साथी श्याम सिंह भी मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के महाराजपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि बाईपास इंडस्ट्रियल एरिया से गिरफ्तार किए गए इन दोनों गांजा तस्करों को जेल भेजने के बाद पुलिस अब उनके साथियों की भी तलाश कर रही है।

जनपद बहराइच के ब्लाक शिवपुर की आंगनबाड़ी केंद्रों पर भ्रष्टाचार का बोलबाला

बहराइच। आपको बताते चलें कि जनपद बहराइच के ब्लाक शिवपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत बहोरिकापुर की तीनों आंगनबाड़ी केंद्रों में भ्रष्टाचार चरम सीमा से ऊपर है समय से नहीं बांटा जा रहा है बाल पोषाहार सूत्रों द्वारा ज्ञात हुआ है कि हमेशा दो दो तीन तीन महीने का राशन इकट्ठा करने के बाद 1 महीने का बाल पोषाहार वितरण किया जाता है आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से जब फोन पर बात की गई तो उन्होंने बताया कि दिनांक 6, 4 ,2022 को बाल पोषाहार ब्लॉक से उठान हो गया है और 10 अप्रैल को तीनों कार्यकत्रियों ने बाल पोषाहार रिसीव कर लिया है फोन से बात करने पर कार्यकत्रियों ने बताया कि जब 2 महीने का इकट्ठा हो जाएगा तब हम बाटेंगे हमारे संवाददाता ने जब पूछा कि ऐसा कोई सरकार की तरफ से आपको आदेश है कि जब आप 2 महीने का 3 महीने का इकट्ठा करके बाटेंगे तो उन्होंने बताया कि बच्चे ज्यादा हैं और राशन काम आता है इसलिए 2 महीने का इकट्ठा करके बांटते हैं तो हमारे संवाददाता ने कहा कि

जितना आपको मिला है उतना ही आपकी सूची में लाभात्थी है और जितने सूची में हैं उतना ही आपको खाद्यान्न मिला हुआ है इसलिए आप पूरा खाद्यान्न समय के अंदर बांट दीजिए परंतु आज 29अप्रैल हो गया हैअभी तक किसी भी आंगनबाड़ी की कार्यकत्री ने बाल पोषाहार का वितरण नहीं किया है आंगनबाड़ी कार्यकत्री नंबर 1 नीलम देवी नंबर 2 मंजू देवी नंबर3 पुष्पा देवी है जबकि सूची के अनुसार सभी को हर महीने बराबर खाद्यान्न सरकार की तरफ से दिया जाता है परंतु यह लोग अपनी मनमानीसे और अपनी दबंगई से 2 महीने का राशन इकट्ठा करके और 1 महीने में बांटती हैं और जब कोई लाभार्थी शिकायत करता है तो उसको डराती है धमकाआती हैं और कहती हैं कि जाओ तुमको जो कुछ करना हो करो जाकर हमारे पास जितना आएगा हम उतनही बांटेंग अब देखना यह है कि प्रशासन इस पर क्या संज्ञान लेता है हर महीने का बाल पोषाहार वितरण करवाया जाता है या की आंगनबाड़ी कार्यकत्री लोग उसको हजम कर जाती हैं।

बुलढाणा जिले में लंबित परियोजनाओं में तेजी लाएं, जल संसाधन मंत्री जयंत पाटिल के निर्देश, पालक मंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगने की कोशिश में मिली सफलता

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। जल संसाधन मंत्री जयंत पाटिल ने आज बुलडाना जिले में लंबित सिंचाई परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश दिये। जिले के पालक मंत्री एवं खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगाने लगातार इन मुद्दों को उठा रहे हैं। सिंधखेड राजा विधानसभा क्षेत्र और बुलढाणा जिले में जल संसाधन विभाग से संबंधित विभिन्न मुद्दों को लेकर आज मंत्रालय में एक बैठक हुई। इस अवसर पर जल संसाधन विभाग, ऊर्जा विभाग, पुरातत्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और बुलढाणा जिले के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। जिगव उप सिंचाई परियोजना के जलमग्न क्षेत्र के भों गांव में पुरातत्व विभाग द्वारा किये गये सर्वेक्षण के अनुसार. तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व (लगभग 300 साल पहले) के बौद्ध स्तूप के अवशेष

मिले हैं। इस स्तूप के साथ-साथ यहां मिलने वाली अन्य प्राचीन संरचनाओं और सामग्रियों को संरक्षित और पोषित किया जाना चाहिए ऐसे निर्देश इस बैठक में दिए गए। पेंटाकली परियोजना की मुख्य नहर को लाइन करने के बजाय आरसीसी ट्रफ (बंद नहर) बनाई जाए। ऐसी मांग की गई है। पेंटाकल परियोजना एक बड़ी परियोजना विदर्भ सिंचाई विकास निगम, नागपुर के तहत गोदावरी घाटी की पनगंगा उप-घाटी में बुलढाणा जिले के मेहकर तहसील में यह पेंटाकली गांव के ऊपर पनगंगा नदी पर बना है। विभाग ने सूचित किया है कि लाइनिंग के साथ मुख्य नहर के स्थान पर आरसीसी यातायात का विकल्प तकनीकी रूप से उपयुक्त है। इस तरह के प्रस्ताव को नियामक मंडल की बैठक में प्रस्तुत करने और इस कार्य के लिए निविदा प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए।

कानपुर में शातिर तमंचे समेत गिरफ्तार

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। अपराधी अराजक तत्वों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले पनकी थाने की इंडस्ट्रियल एरिया चौकी पुलिस को एक और शातिर अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से खड़े इस अपराधी के पास से तमंचा और कारतूस भी बरामद किए गए हैं। पुलिस को सफलता तब मिली जब पनकी के इंस्पेक्टर अंजन कुमार सिंह की अगुवाई में इंडस्ट्रियल एरिया के चौकी प्रभारी सतीश यादव अपनी टीम के साथ गश्त पर निकले हुए थे। इसी दौरान मुखबिर के जरिए जो सूचना मिली उसी के तहत प्रभावी कार्रवाई करते हुए मूल रूप से आगरा के सिकंदरा क्षेत्र और मौजूदा समय में पनकी के सरायमीता में किराए पर रहने वाले संजय सिंह के गिरफ्तार कर लिया। वह तमंचे और कारतूस कपड़ों में छिपाए हुए था। अवगत कराते चलें कि पड़ोसी जिले इटावा में कई थानों के लोक प्रिय सफल प्रभारी भी रह चुके अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और पीड़ितों की सहायता के मामले में भी चर्चित चौकी प्रभारी सतीश यादव की कर्तव्य के प्रति निष्ठा इसके पहले भी अनेक शातिर अपराधियों को जेल की हवा खिलाने में सफल हो चुकी है।

सचिव यूआईटी कि हठधर्मिता, हो रही सूचना आयोग की अवमानना नहीं हुएं आयोग कोर्ट में पेशः एन डी कादरी

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। सूचना आयोग जयपुर कोर्ट में बुधवार को सुनवाई के दौरान एन डी कादरी ने कि आपके दोनों नोटिस सितंबर 2021 एवं 24 दिसंबर 2021 जिसमें आपने स्पष्ट निर्देश दिए थे कि 'क्यों न आपको धारा 20 (1) में दंडित किया जाए, साथ ही नोटिस प्राप्ति के पंद्रह दिन में सूचना देने के निर्देश दिए गए थे' पर भी पालना नहीं की जा रही है। जब की मौजुदा चैयरमेन एवं जिला कलेक्टर बीकानेर ने भी सूचना देने के निर्देश दिए थे। लेकिन सचिव यूआईटी ने पुरी तरह हठधर्मिता धार रखीं हैं सूचना नहीं देने व जनहित के कार्यों को नजर अंदाज कर रहे हैं। इस आयोग ने एक मौका और देते हुए ।तारीख 21.07.2022 को व्यक्त पेश होने का नोटिस देते हुए कहा कि अब सुनवाई उपस्थित नहीं होने तथा सुचना नहीं देने पर दंडित ही किया जायेगा। और कोई मौका नहीं देंगे ।ज्ञात रहे सूचना अधिकार के अंतर्गत नूरानी मस्जिद रानीसर बास निवासी एन. डी. कादरी ने सूचना मांगी है। सुनवाई के दौरान कादरी ने आयोग को बताया कि सचिव यूआईटी ने अपीलार्थी को पत्र में क्रमांक - न.वि.न्यास/लो.सू.अ/बीका/2022/353 दिनांक 18.01.2022 में दशार्या है कि अपीलार्थी ने पंडित धर्मकांटे के पिछे वैध मधाराम कॉलोनी आम गली को लोहे के गाटर से बंद करने की शिकायत करते हुए आमजन के लिए रास्ता खोलने तथा असामजिक तत्वों के खिलाफ कार्यवाही करने करने का निवेदन किया है। एन.डी. कादरी ने कहा कि ऐसा किसी भी अतिक्रमण होने अथवा हटाने की बात सूचना आवेदन पत्र में ही दर्ज नहीं है। यह पुरी तरह टालमटोल और गुमराह कर आप सूचना आयोग जयपुर के आदेशों की अवहेलना है।

नीम के पत्तों से मिलेंगे लंबे और मजबूत बाल

नीम में कई औषधीय गुण समाए हैं। यही वजह है कि इसका इस्तेमाल फोड़े-फुंसियों से लेकर कील-मुंहासों के ट्रीटमेंट किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नीम बालों के लिए भी काफी फायदेमंद है? अगर आप लंबे और मजबूत बाल चाहती हैं तो फिर नीम के पत्तों का इस्तेमाल करें। नीम हेयर फॉलिकल्स को मजबूत बनाता है, जिसकी वजह से बालों की जड़ें कमजोर होने से बच जाती हैं। इसलिए नीम के पत्तों का पेस्ट बनाकर उसे बालों की जड़ों में लगाने से धीरे-धीरे बालों का झड़ना रुक जाता है। इतना ही नहीं यह बालों से डेंड्रफ की समस्या भी दूर करता है। इसके लिए आप नीम के पत्तों को पीसकर बालों की जड़ों में लगाएं और फिर एक घंटे बाद पानी से धो दें। नीम बालों के लिए एक नैचरल कंडीशनर का भी काम करता है। अगर बाल रूखे और बेजान हो गए हैं तो नीम की पत्तियों को पीसकर शहद के साथ मिलाकर बालों लगाएं। इससे काफी फायदा होगा।

बाल हो गए हैं रूखे और बेजान, लगाएं घर पर बना यह कंडीशनर

नीम स्कैल्प को हेल्दी रखता है और जूं नहीं होने देता। इसम Za azadirachtin नाम का एक तत्व होता है जो जूं को जड़ से खत्म कर देता है। इसके अलावा यह बालों को ऑइली नहीं होने देता है। नीम सीबम के सिक्रीशन को रेग्युलेट करता है, जिससे न तो स्कैल्प ज्यादा ऑइली होता है और न ही ड्राई। इसलिए नीम बालों के लिए हर लिहाज से फायदेमंद है।

जिद्दी दाग-धब्बों का इलाज है नारियल पानी, हल्दी-शहद मिलाकर यूं करें इस्तेमाल

लंबे,

प्राचीन समय से नारियल त्वचा की देखभाल के लिए मेजबान माना जाता है। आपकी त्वचा को मॉइस्चराइज रखने के साथ-साथ रुखी और बेजान स्किन से छुटकारा दिलाता है। यदि आप भी सुंदर और साफ त्वचा पाना चाहते हैं तो आज हम आपके लिए लेकर आएं हैं नारियल के औषधीय गुणों से भरपूर फेस पैक्स और स्क्रबस

त्वचा के बारे में हो जानकारी

नारियल का इस्तेमाल शुरू करने से पहले आपको अपनी त्वचा के बारे में जानकारी होना बहुत जरुरी है। यानि कि यदि आपकी त्वचा ऑयली है तो आपको नारियल तेल की बजाए नारियल पानी से तैयार होने वाले फेस पैक्स का इस्तेमाल करना चाहिए। यदि आपकी त्वचा शुष्क है तो आप नारियल तेल का इस्तेमाल कर सकती हैं और यदि आपकी त्वचा काफी सेंसिटिव है तो आप बारीक पिसे नारियल के आटे का चयन करें। इससे आपको काफी लाभ मिलेगा।

ऑयली त्वचा के लिए हल्दी-नारियल फेस मास्क

नारियल पानी विटामिन ए, विटामिन बीकॉम्प्लेक्स, विटामिन के और अन्य आवश्यक खनिजों और पोषक तत्वों से भरा होता है जो आपकी त्वचा को नमी प्रदान करने का काम करता है, साथ ही हल्दी के एंटीऑक्सीडेंट तत्व, स्किन के डेड सैल्स को खत्म करने का काम करते हैं। इस पैक को बनाने के लिए आपको चाहिए...

नारियल का पानी - 2 टेबलस्पून, बेसन - 2 चम्मच, दही - 1 चम्मच, हल्दी पाउडर - 1 टीस्पून, शहद- 1 टीस्पून। सारी सामग्री को मिलाकर एक पेस्ट तैयार कर लीजिए। चेहरे को साफ पानी के साथ धो कर तैयार पेस्ट को चेहरे पर सूखने तक लगा रहने दें। अब हल्के हाथों से पैक को रगड़कर चेहते से उतार दें। हफ्ते में 2 से 3 बार ऐसा करने से आपके चेहरे का एकस्ट्रा ऑयल और दाग धब्बे दूर हो जाएंगे।

सूखी त्वचा के लिए नारियल तेल-मुनक्का शहद फेस मास्क

इस पैक को तैयार करने के लिए आपको चाहिए हल्दी पाउडर-आधा चम्मच, नींबू का रस- आधा चम्मच, शहद-1 चम्मच, नारियल तेल-1 बड़ा चम्मच। इन सब चीजों को अच्छी तरह मिक्स करके फेस पर 10 से 15 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। हफ्ते में एक बार इस पैक का इस्तेमाल बहुत होता है। यदि आपकी त्वचा कुछ ज्यादा ही ड्राइ है तो आप इसका इस्तेमाल 2 बार कर सकती हैं।

सेंसिटिव त्वचा के लिए नारियल आटा फेस पैक

इस फेस पैक को बनाने के लिए आपको चाहिए हल्दी पाउडर- आधा चम्मच, शहद -1 चम्मच, ताजा पिसा हुआ नारियल का आटा - 3 बड़े चम्मच, रोज वॉटर-2 चम्मच। सारी सामग्री को मिलाकर एक स्मूद सा पेस्ट तैयार कर लीजिए। जिन लोगों को चेहरे पर पिंपल्स, गर्मियों की वजह से लालिमा या ब्लैक स्पॉट्स की प्राब्लम रहती हैं उनके लिए यह फेसपैक बहुत कारगर सिद्ध होता है। आप इस पैक को रोज रात को सोने से पहले लगाएं। आप देखेंगे कि आपकी त्वचा में दिनों-दिन निखार आता चला जा रहा है।

बालों की ग्रोथ तेजी से बढ़ाएगा चावल का पानी

घने और शाइनी बाल तो हर लड़की की ख्वाहिश होती है लेकिन जरूरी नहीं हर किसी के बालों की ग्रोथ अच्छी हो। हालांकि बाल बढ़ाने के लिए लड़कियां हेयर ट्रीटमेंट व प्रोडक्ट्स का सहारा लेती हैं लेकिन इनसे कोई खास फायदा नहीं मिलता। ऐसे में आज हम आपको होममेड हेयर पैक से बाल बढ़ाने का तरीका बताएंगे, जिससे रिजल्ट आप खुद महीनेभर में देखेंगी।

चावल के पानी से बढ़ाएं बाल

चावल का पानी यानी माड़ कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होता है, जो स्किन के साथ बालों के लिए भी फायदेमंद है। साथ ही इसमें एंटीऑक्सिडेंट, फेरुलिक एसिड, मिनरल्स व विटामिन्स भी होते हैं, जिससे बालों को जड़ों से पोषण मिलता है और स्कैल्प में भी नमी बनी रहती है। इससे बालों की ग्रोथ बेहतर तरीके से होती है।

बनाने की तरीका

➤ **पहला तरीका**

इसके लिए कच्चे चावल को आधा घंटा या रातभर पानी में भिगोकर रख दें। इसके बाद चावल को छानकर पानी को अलग कर लें। लीजिए चावल का पानी तैयार है।

➤ **दूसरा तरीका**

चावल को पानी में डालकर कुछ देर उबालें। जब चावल पक जाए तो उसमें से पानी यानी माड़ को अलग करके साइड पर रख लें।

कैसे और कितनी बार करें यूज?

सबसे पहले बालों को माइल्ड शैंपू से अच्छी तरह धो लें। इसके बाद चावल के पानी को बालों पर डालकर मसाज करें और 10 से 15 मिनट के लिए यूं ही छोड़ दें। इसके बाद ताजे पानी से बालों को धो लें। हफ्ते में कम से कम 1-2 इस पानी का इस्तेमाल करें। कुछ महीने में आपको खुद रिजल्ट देखने को मिलेगा।

क्यों हैं फायदेमंद?

चावल के पानी में मौजूद कार्बोहाइड्रेट यानि इनोसिटॉल बालों में घर्षण को कम करके उन्हें जड़ों से मजबूती देता है। साथ ही इसमें कई अन्य तरह के पोषण तत्व भी होते हैं, जिससे बालों को ग्रोथ मजबूत होने के साथ उनमें शाइन व लचीलापन भी आता है। इसके अलावा इससे बालों की नैचुरल शाइन भी बरकरार रहती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

इस बड़े अभिनेता की फिल्म में नजर आने वाली है शहनाज गिल

बिगबॉस से फेम पाने वाली एक्ट्रेस शहनाज गिल यूँ तो पंजाबी इंडस्ट्री का जाना माना चेहरा है लेकिन बिग्ग बॉस के बाद से उन्हें पुरे भारत में बेहिसाब शोहरत हासिल हुई है। शहनाज गिल बिग्गबॉस के 13वें सीजन में नजर आयी थी। शहनाज का बब्ली नेचर और दबंग रवैया की वजह वह दर्शको के दिलो में जगह बना पाने में कामयाब रही। शहनाज ने पंजाबी इंडस्ट्री में न सिर्फ एक्टिंग की है बल्कि सिंगिंग भी वह कर चुकी है। उन्हें सबसे ज्यादा शोहरत बिगबॉस से मिली थी। बिगबॉस में उनके साथ उस सीजन के विनर रहे थे सिद्धार्थ शुक्ला। सिद्धार्थ के साथ शहनाज की केमिस्ट्री को लोगो ने खूब पसंद किया था। एक लम्बे ब्रेक के बाद शहनाज फिर से परदे पर नजर आने वाली है लेकिन इस बार वह किसी पंजाबी फिल्म या एल्बम में नहीं बल्कि शहनाज करने जा रही है अपना बॉलीवुड डेब्यू। शहनाज की पहली ही फिल्म होने वाली बॉलीवुड के दबंग भाई यानी सलमान खान के साथ। जी हाँ रिपोर्ट्स की माने तो शहनाज सलमान खान की प्रोडक्शन में बन रही फिल्म 'कभी ईद कभी दिवाली' में नजर आने वाली है। शहनाज को कई बार सलमान के साथ देखा जा चूका है और सलमान के साथ उनके अच्छे रिश्ते भी है।

क्या करिश्मा कपूर दूसरी बार शादी करने को हैं तैयार?

बॉलीवुड इंडस्ट्री में इन दिनों शादियों की धूम देखने को मिल रही है। एक के बाद एक सेलेब्स शादी करते दिख रहे हैं। इस बीच कपूर खानदान से भी एक बेहद खुश कर देने वाली एक खबर सामने आ रही है। दरअसल खबर है कि मशहूर एक्ट्रेस करिश्मा कपूर दोबारा शादी कर सकती है। जी हां, आपने सही बिल्कुल सही सुना है और ऐसा हम नहीं कह रहे बल्कि एक्ट्रेस की तरफ से इस बात का इशारा किया गया है। सोशल मीडिया पर जमकर सक्रिय रहने वाली करिश्मा कपूर ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर फैंस के सवालों के जवाब दिए। इस दौरान उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर आस्क मी एनिथिंग सेशन किया। ऐसे में जब एक फैन ने उनसे पूछा की क्या वह दोबारा शादी करने वाली हैं। इस पर करिश्मा ने जो जवाब दिया वह वाकई काफी ज्यादा शॉकिंग था। करिश्मा कपूर ने इस सवाल-जवाब सेशन में कई सवालों के जवाब दिए हैं। इस बीच जब उनको एक फैन ने उनकी शादी को लेकर पूछा तो इसके जवाब में एक्ट्रेस ने एक शब्द में कहा, डिपेंड्स। अब करिश्मा के इस तरह के जवाब देने के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि करिश्मा फ्यूचर में दुल्हन बनने को तैयार हैं। बता दें, इसके अलावा करिश्मा ने कई सवालों का और भी जवाब दिया था। दिलचस्प बात, यह है कि पिछले दिनों कपूर खानदान में रणबीर और आलिया की शादी हुई है। इस वेडिंग फंक्शन में कलीरे रस्म के दौरान करिश्मा पर ये आकर गिरी थीं, जिसकी कुछ फोटोज को एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट किया था। ऐसे में तभी से करिश्मा की दूसरी शादी के कयास लगाने लगे हैं।

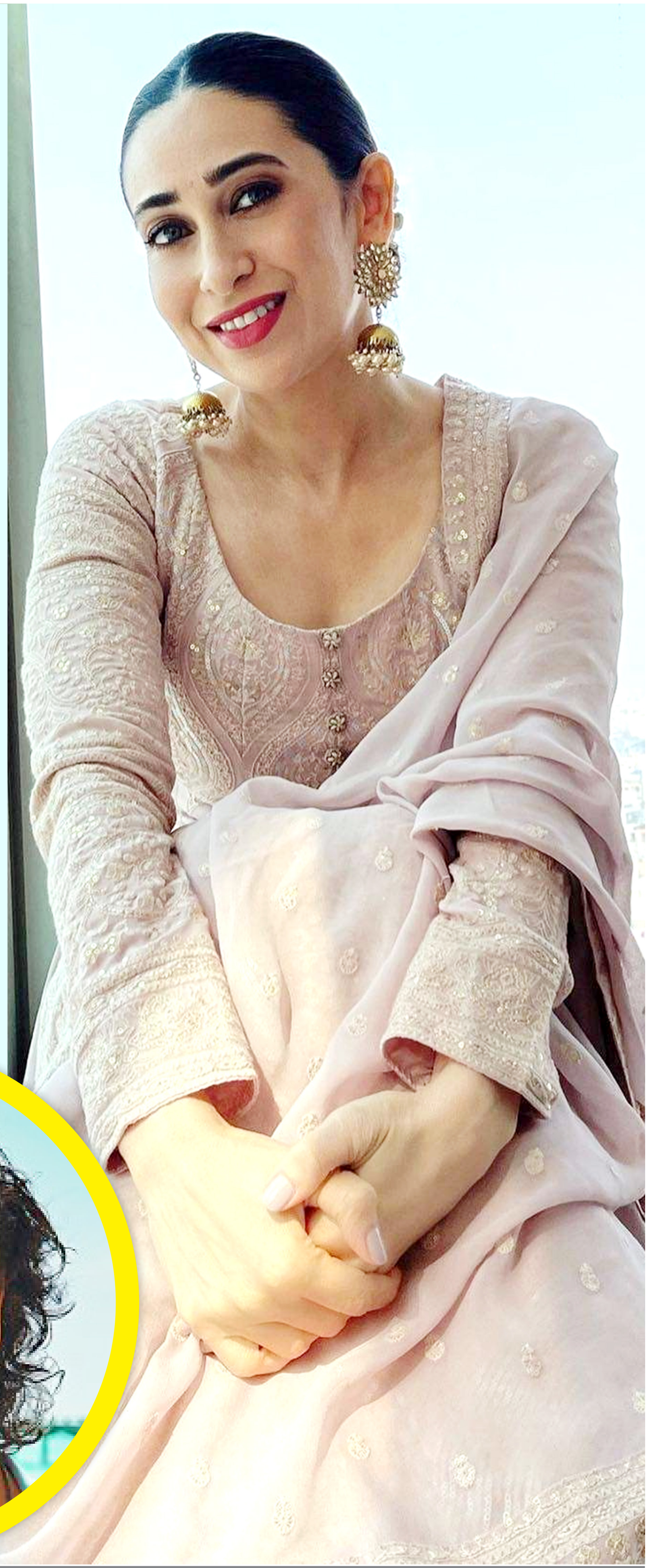

हॉलीवुड के लिए ऑडिशन में फेल हो चुके हैं टाइगर श्रॉफ

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ फिल्मों में अपने शानदार एक्शन और डांस के लिए जाने जाते हैं। फिल्म के प्रमोशन के दौरान टाइगर श्रॉफ ने अपने करियर को लेकर एक बड़ी बात कही है। जहां उन्होंने कहा कि वह हॉलीवुड फिल्मों में काम करना चाहते हैं। वह एक सुपरहीरो को भूमिका अदा करना चाहते हैं। टाइगर श्रॉफ ने यह भी बताया है कि उन्होंने हॉलीवुड फिल्मों के लिए ऑडिशन भी दिया था, लेकिन वह उसमें कामयाब नहीं हो सके। और अब ऐसे में टाइगर श्रॉफ के इस बयान की काफी चर्चा हो रही है। हॉलीवुड फिल्मों में काम करने को लेकर टाइगर श्रॉफ ने कहा, वेस्टर्न में यंग एक्शन हीरो के मामले में एक शून्य है। मेरे उम्र का कोई एक्शन हीरो है ही नहीं, और शायद मैं जिस तरह की चीजें करता हूं। हम देखते थे कि शायद 90 के दशक में किसी के पास ऐसी स्किल्स नहीं थी। वही अभिनेता ने आगे बताया की, स्पाइडर-मैन से पहले किसी को ऐसे स्किल्स करते नहीं देखा है। लेकिन मेरा मकसद उस जगह पर पहुंचना और वेस्टर्न में अपनी किस्मत आजमाना है। मुझे एक दो बार ऑफर किया गया है। मैंने दो बार ऑडिशन दिया है और ऑडिशन में असफल रहा हूं, लेकिन मैं अभी भी कोशिश कर रहा हूं। देखते हैं आगे क्या होता है।